हिमालय कार रैली

1833. **श्री केशवराव पारधी :** क्या **शिक्षा और समाज कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 21 अक्तूबर, 1980 को कुछ लोगों ने हिमालय कार रैली के दूसरे चरण के दौरान आगरा और उसके निकटवर्ती क्षेत्रों में भारी पथराव किया ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस घटना की जांच के लिए आदेश दिए हैं ;

(ग) अब तक कितने व्यक्ति गिरफ्तार किए गए हैं और उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है; और

(घ) आगरा क्षेत्र से आगे रैली की सुरक्षा के लिए क्या उपाय किए गए ?

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्री (श्री एस० बी० चह्वाण) : (क) रैली के आयोजकों से प्राप्त सूचना के अनुसार महाराष्ट्र में औरंगाबाद में तथा आगरा के निकट भिंड में रैली के खिलाफ प्रदर्शनकारियों द्वारा विदेशी प्रतियोगियों की कारें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त की गई और ड्राईवरों को पीटा गया ।

(ख) इन घटनाओं की जांच करने के लिए न तो सरकार ने कोई आदेश दिए हैं और न ही इस प्रकार का कोई अनुरोध सरकार को मिला है ।

(ग) सम्बन्धित एजेन्सियों से सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

(घ) आयोजकों ने रैली का तीसरा दौर जो आगरा से चण्डीगढ़ तक का होना था, रद्द कर दिया और कारों को पूरे रास्ते में भारतीय वायु सेना के दो हेलीकोपटरों की निगरानी में पुलिस सुरक्षा के साथ कतार में लाया गया । चौथे दौर का रास्ता मूल योजना के अनुसार चंडीगढ़ से नारकंडा तक अपनाया गया जहां रैली औपचारिक रूप से समाप्त की गई और कारों को नारकंडा से दिल्ली-शिमला होते हुए पुलिस सुरक्षा में लाया गया ।

Consumption of Petrol in Himalayan Rally

1834. SHRI A. T. PATIL: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

(a) what quantities of petrol and petroleum products respectively have been consumed for the Himalayan Rally (October, 1980); and

(b) the action taken by Government against the miscreants who damaged the cars and/or obstructed their course?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) and (b). Information is being collected from the concerned agencies and the same will be laid on the Table of the Sabha.

Printing of Government work by Private Presses

1835. PROF. AJIT KUMAR MEHTA: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state.

(a) whether it is a fact that printing work worth lakhs of rupees has been got done by the Private Printers in the office of the Registrar General of India;

(b) if so, particulars in this regard since 1-1-1978 about the Private Printers and the volume of work given to them;

(c) why this printing work was not got done in the Government of India Presses;

(d) whether the Directorate of Priting has given 'No Objection certificate', if so, the detail thereof; datewise;